जब दिन गर्दिश के थे ना कोई पूछने वाला था लिरिक्स

जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था,
उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

jab din gardish ke the lyrics

तर्ज – बचपन की मोहब्बत को।

दाने दाने के लिए,
मैं गुहार लगाता था,
कोई साथ तो दो मेरा,
मैं पुकारा लगाता था,
भूखे ही सोते थे,
ना पास निवाला वाला था,
उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

मैं भूला नहीं कुछ भी,
सब कुछ है याद मुझे,
अपनो ने छोड़ा था,
करके बर्बाद मुझे,
मेरी लाज को जब जग ने,
सरे आम उछाला था,
उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

मेरी मजबूरी का,
सब लाभ उठाते थे,
मुझे अपने इशारों पे,
ये खूब नचाते थे,
सबने मुझसे अपना,
बस काम निकाला था,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

जिन्हें सोचता था मैं खरा,
वो असल में खोटे थे,
झूठी हमदर्दी के,
चेहरों पे मुखोटे थे,
हर अपने ने 'माधव',
मुश्किल में डाला था,
उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था,
उस वक्त मुझे बाबा,
तूने ही संभाला था,
जब दिन गर्दिश के थे,
ना कोई पूछने वाला था।bd।

स्वर / लेखन – अभिषेक शर्मा 'माधव'।
प्रेषक – श्याम 9899162568

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com